वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 64 | शनिवार 28 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को दी बधाई

प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली और प्रदेश के मंत्रीगण ने विधान सभा पहुंचकर दी बधाई

देवनानी ने इस यात्रा के अनुभव और संस्मरणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों देशों में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में हो रही प्रगति और नवाचारों को लेकर सकारात्मक भाव देखा गया है और भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और काउन्टर टेररिज्म पर दोनों देश भारतीय दृष्टिकोण के साथ एक मत दिखाई दिये।

जयपुर. कासं

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली और प्रदेश के कई मंत्रीगण, विधायकगण, सांसदगण अन्य जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को फ्रांस और जर्मनी की सफल अध्ययन यात्रा और उनके विवाह की 50 वीं वर्षगांठ के लिए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है। सहकारिता मंत्री गोतम दक और प्रतिपक्ष के नेता जूली ने विधान सभा पहुंचकर देवनानी को पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी। इनके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा विधान सभा सचिवालय के पदाधिकारियों ने देवनानी को बधाई दी।

फ्रांस और जर्मनी यात्रा सार्थक उपयोगी और ज्ञान वर्धक रही

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के तत्वावधान में 17 से 25 जून तक फ्रांस और जर्मनी की अपने अध्ययन यात्रा को सार्थक उपयोगी, लाभप्रद और ज्ञानवर्धक बताया है। उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों की संसदीय प्रक्रियाओं पद्धतियों तथा परम्पराओं एवं स्थानीय संस्कृति का अध्ययन करना था। देवनानी ने इस यात्रा के अनुभव और संस्मरणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों देशों में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में हो रही प्रगति और नवाचारों को लेकर सकारात्मक भाव देखा गया है और भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और काउन्टर टेररिज्म पर दोनों देश भारतीय दृष्टिकोण के साथ एक मत दिखाई दिये। देवनानी ने बताया कि फ्रांस और जर्मनी दोनों देशों में भारत की संसद की तरह लोअर हाउस और अपर हाउस की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं है लेकिन इन देशों में संसदीय चुनाव की पद्धतियां पृथक-पृथक है। फ्रांस में चुनावों में मिलने वाले मत प्रतिशत के आधार पर अपर हाउस के सदस्यों का मनोनयन होता है। वहीं जर्मनी में स्थानीय निकाय के मेयर आदि ही स्थानीय प्रशासन को संचालित करते है वहां पृथक से कोई राज्यों की व्यवस्था नहीं है। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि यूरोप के देशों में विशेषकर जर्मनी में योग के प्रति विशेष समर्पण और अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए भारत के प्रति आभार का भाव भी देखा गया। वहां विशेष रूप से योग को स्वास्थ्य से जोड़कर देखा जाता है। जर्मनी में अधिकांश नागरिकों को सडकों पर साईकिलों से आवागमन करते हुए देखा जाता है तथा वे अपने आप को स्वस्थ रखने के प्रति अधिक जागरूक है। देवनानी ने बताया है कि दोनों देशों की इस अध्ययन यात्रा के दौरान मैंने वहां की नेशनल एसेम्बली और अन्य संसदीय संस्थाओं का अवलोकन करने के साथ ही दोनों देशों के सांसदों, प्रशासनिक अधिकारियों और प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात की और वहां की ऐतिहासिक धरोहरों को भी देखा तथा भारतीय दूतावासों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा दोनों देशों में बसे हुए प्रवासी भारतीयों से भी आत्मीय मुलाकात की। विशेषकर प्रवासी राजस्थानियों से भेंट कर उनसे विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने बताया कि फ्रांस और जर्मनी की यात्रा में राजस्थान विधान सभा में हुए नवाचारों को भी सभी ने सराहा। देवनानी ने बताया कि प्रवासियों ने भारत के विभिन्न स्थानों से इन देशों के लिए सीधी हवाई सेवाएं शुरू करवाने में सहयोग करने का आग्रह किया है, ताकि उन्हें भारत आने के लिए एक से अधिक फ्लाइटस बदलना नहीं पड़े। साथ ही प्रवासियों ने भारत के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में फ्रांस और जर्मनी भाषा के पाठयक्रम आरम्भ करवाने की आवश्यकता भी बताई ताकि इन देशों में रोजगार की सम्भावनाओं के अवसरों को देखते हुए भारत से जाने वाले युवाओं को इन भाषाओं का ज्ञान होने से रोजगार के अधिक अवसर मिल सके। मुझे उम्मीद है कि मेरी यह यात्रा ''राजस्थान-2047ः वैश्विक नेतृत्व की ओर'' दृष्टिकोण के तहत राज्य के युवाओं, नीति-निर्माताओं और नागरिक समाज के लिए उपयोगी साबित होगी। देवनानी ने बताया कि दोनों देशों ने प्रवासी राजस्थानियों ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सबमिट की चर्चा की और इसे एक अच्छी पहल बताते हुए सबमिट में हुए एमओयू को यथा शीघ्र धरातल पर लाने के लिए विशेष प्रयास किये जाने की आवश्यकता बताई। देवनानी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दोनों देशों में प्रवासी भारतीय संस्कृति तीज त्योहारों आदि को आगे बढ़ाने के लिए मिल-जुलकर प्रयास कर रहे हैं। तथा विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।

श्रीमती मनीषा जैन को किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल जी द्वारा अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर श्रीमती मनीषा जैन को जयपुर शहर कार्यालय में दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी आदर्श नगर विधानसभा के व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक व ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर, जयपुर नगर निगम फायर ब्रिगेड समिति के चेयरमैन पारस जैन व दीपा नाथावत सहित अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा अमित गोयल को पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देते हुए पौधा भेंट किया।

सीए डे सप्ताह के तहत "गो ग्रीन पौधारोपण अभियान" का आयोजन

आईसीएआई ब्यावर शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणादायक पहल

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ब्यावर शाखा द्वारा सीए डे 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला के दूसरे दिन गुरुवार, 26 जून 2025 को "गो ग्रीन-पौधारोपण एवं पर्यावरण दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन ब्यावर स्थित आईसीएआई भवन परिसर में प्रातः 9:00 बजे आरंभ हुआ। इस अवसर पर "वृक्ष हि पितरः लोके वर्धयन्ति समन्ततः" श्लोक के साथ सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। यह पहल सीए पेशे के सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मूल्य आधारित सोच को समर्पित रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीए एन.सी. जैन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इनके साथ ही वरिष्ठ एवं युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली। प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्यजनों में सीए आर.सी. गोयल, सीए अजय शर्मा, सीए चिराग पारख, सीए दीपक कांकणी, सीए सुधांशु शर्मा, सीए गौतम पिपारा, सीए रुचिका गुप्ता, सीए रोहित डईया, सीए नंदनी गोयल एवं सीए पायल सुराणा शामिल रहे। इस प्रेरणादायक आयोजन को सफल बनाने में ब्यावर शाखा की प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शाखा के अध्यक्ष सीए अंकुर गोयल, सचिव सीए अमित सुराना, कोषाध्यक्ष सीए आभास हालाखण्डी, सिकासा चेयरमैन सीए आशय छल्लानी ने सक्रिय रूप से योगदान दिया। कार्यक्रम का समन्वयन सीए ऋतेश भूतड़ा, सीए रश्मि छाजेड़, सीए चिराग पारख एवं सीए मोहित सोनी द्वारा किया गया। पौधारोपण अभियान में सीए संतोष जी डागड़ी ने प्लांट लवर के रूप में विशेष भूमिका निभाई और सभी सदस्यों को अधिकाधिक पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया। पर्यावरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सक्रिय योगदान सराहनीय रहा।

जैन दर्शन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरव

स्यादवाद से सजाया वैश्विक मंच, डॉ. प्रगति जैन इन्दौर को लंदन में मिला Best Paper Award

इंदौर. शाबाश इंडिया। डॉ प्रगति जैन, इन्दौर दिगंबर जैन समाज की पहली महिला विदुषी बनीं जिन्होंने AI को जैन दर्शन व स्यादवाद से जोड़ा। 40 देशों के विद्वानों के बीच लंदन मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. जैन के शोध को अंतराष्ट्रीय स्तर पर 'बेस्ट पेपर अवार्ड' दिया गया। यह पूरे जैन समाज के लिए गर्व का क्षण है। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि डा प्रगति की उपलब्धियां समाज के लिए गर्व का विषय, वे मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित प्राध्यापक हैं, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों से अनेक सम्मान प्राप्त किये। उनकी ओजस्वी वाणी, लेखनी, और चिंतन ने शिक्षा, समाज, और साधना तीनों क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। डा प्रगति जैन पत्रकार महासंघ की राष्ट्रीय मंत्री हैं। जैन पत्रकार महासंघ के साथ अनेक संस्थाओं ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। जैन सिद्धांतों की प्रासंगिकता को वैश्विक पटल पर प्रस्तुत कर उन्होंने समाज की गरिमा को ऊँचाई दी।

बिडला सभागार में 'मीरा के मोहन' 30 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। मयूर यूनिकोटर्स व ओके प्लस ग्रुप के बैनर व भव्य कवि कला आर्टस के तत्वावधान में आगामी 30 जून को बिडला सभागार में साय 5.30 बजे जर्नी ऑफ मीरा बाई डांस एंड ड्रामा 'मीरा के मोहन' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन आयोजन से जुड़े ओम प्रकाश मोदी, बॉलीवुड प्लेबेक सिंगर कविता सिंह व विजय कृष्ण मोदी ने किया। आयोजन से जुड़े ओम प्रकाश मोदी ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाउ किशनराव बागडे होंगे। कार्यक्रम की शुरूआत बॉलीवुड प्लेबेक सिंगर कविता सिंह भक्त मीरा बाई और भगवान श्रीकृष्ण के भजनों के साथ करेगी। करीब 3 घंटे तक चलने वाले इस आयोजन में राष्टपति अवार्ड से सम्मानित डायरेक्टर व मुंबई के 55 से अधिक कलाकार डांस व ड्रामा के माध्यम से मीरा बाई के जीवन चरित्र के पहलुओं को दशार्एंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर में यह आयोजन पहली बार होगा, जब राजस्थान के मेवाड़ की राजकुमारी भगवान श्रीकृष्ण भक्त मीरा की अमर कहानी मंच पर डांस व ड्रामा के माध्यम से साकार होगी।

विनाश मानव पर छाता है, तब विवेक स्वयं मर जाता है: मुनिश्री विलोकसागर

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। इस असार संसार में सभी प्राणी अपने पाप पुण्य के अनुसार सुख और दुख भोगते हैं। जब व्यक्ति का पुण्य कर्म का उदय होता है तो वह मिट्टी उठाता है तो वो सोना हो जाती है, लेकिन यदि उसके पाप कर्म का उदय होता है तो सोना भी मिट्टी बन जाता है । पुण्य के उदय में व्यक्ति ऊपर उठता है तो वहीं पाप के उदय में गर्त में चला जाता है। ''विनाश मानव पर छाता है, तब विवेक स्वयं मर जाता है।'' पाप के उदय में प्राणी हित और अहित भूल जाता है, अपने और पराए की परख नहीं कर पाता । ये कषाय ही हमारे सुख दुख की कारक हैं। कषाय का आवेग जब आता है, तब सबकुछ तहस नहस हो जाता है। कषाय के आवेग में व्यक्ति की बुद्धि नष्ट हो जाती है, वो अच्छा बुरा सब कुछ भूल जाता है। व्यक्ति कितना भी पढ़ा लिखा हो, ज्ञानी हो ऐसे में वह अज्ञानी बन जाता है । वह अपना होश खो बैठता है । उक्त उद्गार जैन संत मुनिराजश्री विलोक सागर महाराज ने बड़े जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पूज्य मुनिश्री ने कर्मों की परिभाषा को समझाते हुए कहा कि रावण एक प्रकांड विद्वान था, वो तीन खंड का राजा था लेकिन कर्मों के मार से वो भी नहीं बच सका। कर्म के उदय में आने पर रावण ने सीता का अपहरण किया । कर्मोदय के कारण रावण की मति भ्रष्ट हो गई और वो राम से युद्ध कर बैठा क्योंकि उस समय रावण की मति मारी गई थी, उसके सोचने समझने, हित और अहित को जानने, अपने और पराए को समझने की शक्ति क्षीर्ण हो चुकी थी। अंत में रावण मृत्यु को प्राप्त हुआ। पुण्य कर्म से सुख और पाप कर्म से दुख मिलता है । मनुष्य अपने जीवन में अनेक प्रकार से पुण्य का उपार्जन करके मोक्ष के मार्ग की ओर आगे बढ़ सकता है। मनुष्य पर्याय, श्रेष्ठ कुल, बुद्धि, धन, जैन धर्म, साधु-संतों का समागम, उनका चातुर्मास यह सब पूर्व में किए हुए सत्कार्य एवं पुण्य के फल स्वरूप ही हमें प्राप्त होता है। जो हमें पुण्य से प्राप्त हुआ है, उसका सदुपयोग करना चाहिए । हम सभी को अपनी चंचला लक्ष्मी को परोपकारी और धार्मिक कार्यों में खर्च कर अपने लिए और अधिक पुण्य का संचय करना चाहिए । धार्मिक अनुष्ठान, पूजन पाठ, जप, तप करते हुए अपनी आत्मा का कल्याण करना चाहिए । क्योंकि जीवन में अंतिम सांस का कोई ठिकाना नहीं है। कभी भी बुलावा आ सकता है, सब यहीं का यहीं धरा रह जाएगा । यहां से जाना कभी भी हो सकता है । जब व्यक्ति के जीवन में पुण्य का उदय आता है, तो अमंगल ही मंगल होता है। पापों के उदय से अमीर भी दरिद्र और आस्तिक भी नास्तिक हो जाता है। कर्मों की लीला बड़ी विचित्र है, यह राजा को रंक और रंक को राजा बना सकती है। **व्यक्ति नम्रता से जुड़ता है और अहंकार से टूटता है:** मानव पर्याय पाकर भी हम अहंकार में सबकुछ नष्ट कर देते हैं। व्यक्ति नम्रता से जुड़ता है व अहंकार से टूटता है। अहंकार रूपी तलवार से जीवन समाप्त हो जाता है, जीवन की शांति, सुख, चैन सब समाप्त हो जाता है। सदैव अच्छाई का रास्ता अपने पास रखो। आज मानव का स्वभाव बुराई को याद रखने का हो गया है, अच्छाई को वह भूलता जा रहा है। जीवन में नकारात्मक सोच विचार मनुष्य को नुकसान पहुंचाते है। अन्य द्वारा किए गए उपकार को याद रखना चाहिए। अन्य के दोष को देखने के पूर्व स्वयं के दोष को देखे। कभी भी पूर्व में की गई गलतीयों को दोहराना नहीं चाहिए । बल्कि उनसे सबक सिखना चाहिए । हे भव्य आत्माओं अपने जीवन में अहंकार का त्याग करते हुए नम्रता को धारण कर आत्मीय सुख शांति के साथ प्रभु का स्मरण करते हुए परोपकार, जीवदया, अहिंसा, मानव सेवा में लीन रहना चाहिए ।

श्रमण मुनिश्री सौम्यसागर जी महाराज ससंघ पहुंचे कमला नगर

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्यश्री समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से श्रमण मुनिश्री सौम्यसागर जी महाराज एवं मुनिश्री निश्चलसागर जी महाराज का इन दिनों आगरा नगर की विभिन्न शैलियों में नगर भ्रमण चल रहा है। इसी क्रम में मुनिसंघ ने 27 जून को प्रातः 5:00 बजे पत्तलगली जैन मन्दिर से मंगल विहार कर कचौड़ा बाजार, बेलनगंज होत हुए कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर में मंगल प्रवेश किया, जहां ग्रेटर कमला नगर जैन समाज ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कर भव्य अगवानी की मुनिसंघ ने मूलनायक भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा के दर्शन किए, तो वहीं उपस्थित भक्तों ने मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज के मुखारविंद से उच्चारित मंत्रों के श्रीजी की शांतिधारा सम्पन्न की।जिसके बाद मुनिश्री की धर्मसभा आयोजित की गईजिसका शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ।जिसमें मुनिश्री सौम्यसागर जी महाराज ने भक्तों को मंगल उद्बोधन देते हुए अनुशासन भक्ति किस प्रकार से करनी चाहिए इसका मार्ग समझाया और आज हमनें कमला नगर में अतिशय भी देखा कि मुनिसंघ का स्वागत हमसे पहले इन्द्र देव ने कर दिया जैसे ही मुनिश्री मन्दिर परिसर में आए झमाझम बारिश आना शुरू हो गई। इस अवसर पर भक्तों को मुनिश्री के सानिध्य में अष्ट द्रव्यों के साथ समाधिस्थ आचार्यश्री विद्या सागर जी महाराज का पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर प्रदीप जैन पीएनसी, जगदीशप्रसाद जैन, मनोज जैन बाकलीवाल, दिलीप जैन, राकेश जैन,नरेश जैन,यशपाल जैन, अनिल जैन, अनिल रईस, रूपेश जैन, राजेश जैन, शुभम जैन, पुष्पा बैनाड़ा, समस्त ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। रिपोर्ट : शुभम जैन

मोती कटरा की धरा पर हुआ सर्वांगभूषण आचार्यश्री का मंगल आगमन

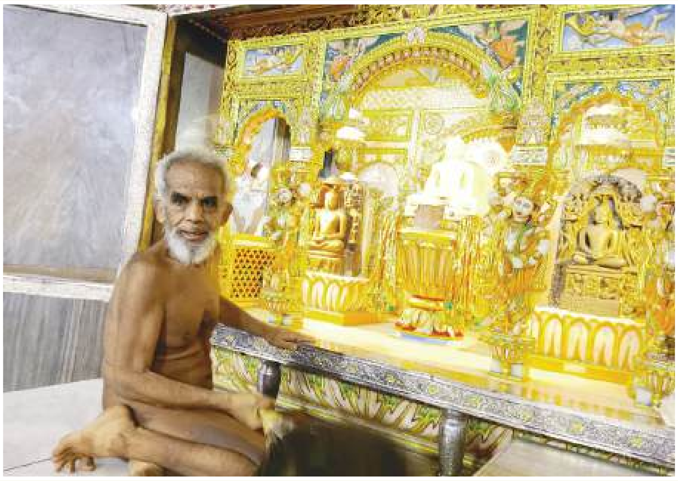

आगरा. शाबाश इंडिया

सर्वांगभूषण आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज ससंघ का 27 जून को मोती कटरा के श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर में मंगल आगमन हुआ,जहां मोती कटरा जैन समाज ने आचार्यसंघ का स्वागत किया और जयकारें लगाते और पाद प्रक्षालन करते हुए मंदिर जी में प्रवेश करवाया। मंदिर जी में पधारने के बाद आचार्यसंघ ने मन्दिर में विराजमान सभी प्रतिमाओं के दर्शन कर शीश नवाया,जिसके बाद भक्तों ने आचार्यश्री के मुखारविंद से उच्चारित मंत्रों के साथ सभी प्रतिमाओं की शांतिधारा संपन्न की। आचार्य श्री ने भक्तों को मंगल उदबोधन देते हुए जैन धर्म के मार्ग पर चलने का मार्ग बतायेइस दौरान सभी ने श्रद्धापूर्वक आचार्यश्री के समक्ष में श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर राकेश जैन पदेवाले,अनंत जैन,विवेक जैन हुकम जैन,पंकज जैन,अनिल जैन,पवन जैन,समस्त मोती कटरा जैन समाज मौजूद रहा।

रिपोर्ट: शुभम जैन

वेद ज्ञान

विचार ऊर्जा का महत्व

विचार एक ऊर्जा (एनर्जी) है, जो मनुष्य के अंतःकरण में प्रकट होती है। जिस प्रकार मन के विकार से काम, क्रोध, लोभ आदि मनोवेग पैदा होते हैं, उसी प्रकार मन के विकार से विचार भी पैदा होता है। अभी तक हम विचार को भाव समझते रहे हैं, जिसका कोई अर्थ नहीं माना जाता था। हम यही समझते थे कि हवा के झोकों की तरह कुछ बात मन में उठती है और सागर की लहर की तरह विलीन हो जाती है। अब तक सागर की लहर को भी ऊर्जा नहीं माना जाता था, लेकिन अब यह बात सिद्ध हो चुकी है कि सागर की लहर में अपार ऊर्जा है। विचार मन का वेग है। जिस प्रकार काम, क्रोध के वेग से मनुष्य का व्यक्तित्व प्रभावित होता है, उसी प्रकार विचार के वेग से मनुष्य का संपूर्ण व्यक्तित्व प्रभावित होता है, लेकिन हमें उसका अनुभव नहीं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी संवेदनशीलता अभी तक हमने पैदा नहीं की है। हमारा सेंस ऑर्गेन इतना संवेदनशील नहीं है कि विचार की उत्पत्ति के मूल स्रोत को जान सकें। इसलिए हमें पता नहीं चलता कि मन में विचार कहां से उत्पन्न होता है और कहां चला जाता है। विज्ञान अब पूरी तरह मानने लगा है कि विचार एक ऊर्जा है और बहुत ही शक्तिशाली ऊर्जा है। यह वेगवान भी है जो किसी भी वस्तु को आसानी से प्रभावित कर सकता है। पदार्थ एक स्थूल वस्तु है और विचार एक अतिसूक्ष्म ऊर्जा। इसीलिए वैज्ञानिकों का मानना है कि इसे अदृश्य और सूक्ष्म ऊर्जा से पदार्थ को आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। हाल ही में रूस के वैज्ञानिकों ने प्रयोग करके सिद्ध कर दिया है कि विचार के परमाणु पदार्थ के परमाणु को आसानी से प्रभावित कर देते हैं। विचार के परमाणु में वेग अधिक होता है और पदार्थ का परमाणु किसी स्थूल वस्तु में छिपा रहता है। इसलिए उसमें वेग कम होता है। शायद इसीलिए आइंस्टीन ने कभी कहा था कि जो पदार्थ तुम देखते हो, वह तरंग है, ऊर्जा है, क्योंकि पदार्थ की अंतिम परिणति ऊर्जा है। पदार्थ से ही ऊर्जा बनती है और ऊर्जा से ही पदार्थ बनता है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। विज्ञान कहता है कि ऊर्जा का नाश नहीं किया जा सकता, उसका रूपांतरण हो सकता है। तब तो स्पष्ट हो गया कि काम, क्रोध आदि मन से उत्पन्न विचार पूर्ण रूप से ऊर्जा हैं।

संपादकीय

दोहरा रवैया नहीं अपनाना चाहिए

आतंकवाद के मसले पर समूची दुनिया में एक राय देखी जाती है कि जब तक इसके खिलाफ संयुक्त मोर्चा नहीं खोला जाएगा, इस पर पूरी तरह काबू पाना संभव नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात की अपेक्षा और मांग की जाती है कि किसी भी देश या समूह को इस मामले में दोहरा रवैया नहीं अपनाना चाहिए। मगर आतंकवाद की समस्या से उपजी फिक्र तब बेमानी हो जाती है जब क्षेत्रीय सहयोग के लिए गठित देशों के किसी समूह में आतंक का सामना करने को लेकर दोहरे पैमाने अपनाए जाते हैं। गौरतलब है कि चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के सम्मेलन में जो साझा बयान तैयार किया गया, उसमें बलूचिस्तान का उल्लेख तो किया गया, लेकिन पहलगाम का जिक्र नहीं किया गया। हालांकि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले और उसकी प्रकृति को सभी देश आतंकवाद का एक क्रूर चेहरा ही मानते हैं और उसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर प्रतिबद्धता जताते रहते हैं। लेकिन विचित्र है कि एससीओ की बैठक में आतंकवाद से लड़ाई के संदर्भ में पहलगाम हमले को दर्ज करना जरूरी नहीं समझा गया। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि इस बैठक में तैयार संयुक्त बयान पर भारत ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और साफतौर पर कहा कि यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख को नहीं दिखाता। इसके बाद यह सम्मेलन बिना संयुक्त बयान जारी किए ही समाप्त हो गया। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि भारत में आतंकवाद की समस्या को जटिल बनाने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस तथ्य को दुनिया के ज्यादातर देश भली-भांति जानते हैं। खुद चीन के बेजिंग में कुछ वर्ष पहले हुए ब्रिक्स देशों के सम्मेलन के घोषणापत्र में इस तथ्य को शामिल किया गया था कि कई बड़े आतंकवादी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। फिर पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बर हमलों में भी पाकिस्तान से आए आतंकियों का हाथ होने की बात सामने आई थी। इसके बावजूद एससीओ सम्मेलन के संयुक्त बयान में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं किया जाना क्या दर्शाता है? सवाल है कि इस सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संगठन के सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं, तो भारत में आतंकवाद पर उनके दोहरे पैमाने दुनिया के सामने इसके खिलाफ लड़ाई का कैसा रास्ता तैयार करेंगे। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान आतंकवाद को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शह देने की अघोषित नीति पर काम करता है और अपनी सीमा में आतंकवादियों को पनाह देता रहा है भारत में घुसपैठ से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और आतंकी हमलों का सिरा कहां से जुड़ा होता है, यह छिपा नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद चीन आमतौर पर पाकिस्तान के हक में खड़ा दिखता रहा है। एससीओ की बैठक के संयुक्त बयान में भी पहलगाम को शामिल न कर बलूचिस्तान का जिक्र करने की कोशिश क्या चीन का पाकिस्तान को स्पष्ट समर्थन नहीं है?

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नए लक्ष्य

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 25 जून को हेग में संपन्न उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो की शिखर बैठक में एक भारी जीत दर्ज करने का दावा किया है। यह उनके पहले कार्यकाल के आक्रामक रुख से काफी अलग है। नाटो के सदस्यों ने 2035 तक अपने वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का 5 फीसदी रक्षा पर खर्च करने पर व्यापक सहमति बनाई। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति की पहले कार्यकाल की वह शिकायत भी दूर होगी जिसमें वह कह रहे थे कि इस संगठन का बोझ ज्यादातर अमेरिका ही उठा रहा है। ऐसा लगता है कि इस प्रतिज्ञा और पहली बार बैठक की अध्यक्षता कर रहे नाटो महासचिव मार्क रट द्वारा ट्रंप की खुशामद कारगर साबित हुई है। पहले कार्यकाल में जहां ट्रंप नाटो से अलग होने की धमकी दिया करते थे, वहीं इस बार उन्होंने वाशिंगटन समझौते के अनुच्छेद 5 को बरकरार रखने की अमेरिका की प्रतिज्ञा को दोहराया जो सामूहिक सुरक्षा की महत्त्वपूर्ण प्रतिबद्धता से संबंधित है। चूंकि अमेरिकी रक्षा व्यय नाटो के सदस्य देशों के कुल रक्षा व्यय के दो-तिहाई के बराबर है इसलिए ट्रंप के कदम नाटो के भविष्य के लिए अहम हैं। खासकर मध्य यूरोप में रूस के विस्तारवादी खतरे को देखते हुए। यह सही है कि बुधवार का समझौता मौजूदा 2 फीसदी व्यय के लक्ष्य में एक बड़ा इजाफा है। 2 फीसदी व्यय को 2014 में वेल्स में आयोजित नाटो शिखर बैठक में मंजूरी दी गई थी। यद्यपि व्यय के आकलन का तरीका कुछ अलग हकीकत दर्शाता है। 'बुनियादी रक्षा जरूरतों' मसलन सैनिकों और हथियारों पर होने वाले व्यय को अब 2 फीसदी से बढ़ाकर 2035 तक 3.5 फीसदी करने का लक्ष्य है। अमेरिकी राष्ट्रपति के 5 फीसदी की मांग को पूरा करने के लिए नाटो ने सुरक्षा संबंधी निवेश पर जीडीपी के 1.5 फीसदी के अतिरिक्त व्यय की बात कही है। इसमें सैन्य इस्तेमाल के लिए अहम अधोसंरचना मसलन सड़क, पुल और बंदरगाह आदि शामिल हैं। इसके अलावा साइबर सुरक्षा और ईंधन पाइपलाइन की सुरक्षा भी शामिल हैं। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यूरोपीय संघ अपने सदस्य देशों को यह इजाजत देगा कि वे अगले 4 साल तक हर वर्ष रक्षा व्यय में जीडीपी के 1.5 फीसदी के बराबर इजाफा करें। इस दौरान घाटे के जीडीपी के 3 फीसदी से अधिक हो जाने पर भी कोई अनुशासनात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। इन अलग-अलग लक्ष्यों के लिए भी नाटो के सदस्यों को व्यय में भारी इजाफा करना होगा समग्र रूप से देखें तो नाटो के सदस्य सैनिकों और हथियारों पर जीडीपी का 2.6 फीसदी वा करीब 1.3 लाख करोड़ डॉलर व्यय करते हैं लेकिन यह बड़ा आंकड़ा अलग-अलग सदस्यों के बीच व्यय की असमानता को ढक लेता है। उदाहरण के लिए पोलैंड अपने जीडीपी का 4.12 फीसदी, एस्टोनिया 3.43 फीसदी और लातविया 3.15 फीसदी व्यय करता है स्पष्ट है कि रूस के सीमावती देश जीडीपी की तुलना में सबसे अधिक व्यय करने वाले देश हैं। स्पेन जो जीडीपी के मुताबिक यूरोप का पांचवां सबसे बड़ा देश है वह सूची में सबसे नीचे आता है वह जीडीपी का केवल 1.28 फीसदी व्यय करता है। इससे सदस्यों के बीच तनाव पैदा होता है। स्पेन का कहना है कि वह जीडीपी के 3 फीसदी से कम खर्च करके भी सैन्य क्षमता लक्ष्यों को हासिल कर सकता है। यकीनन नाटो अभी भी रूस से अधिक खर्च करता है। वर्ष 2024 में रूस का सैन्य खर्च 14.9 करोड़ डॉलर रहा बानी जीडीपी के 7 फीसदी के बराबर परंतु आलोचकों का कहना है कि 2035 का लक्ष्य अभी बहुत दूर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदीमिर जेलेंस्की ने भी शिखर बैठक से इतर ट्रंप से मुलाकात की।

-राकेश जैन गोदिका

मुनि सुधा सागर जी महाराज की भव्य आगवानी ने राघौगढ़ में इतिहास रचा

मुनि संघ के पावन सानिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव 28 जून से

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। तीर्थ उद्धारक चारित्र चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि सुधा सागर जी महाराज की 26 जून को दोपहर राघौगढ़ के धीरपुर मैदान में भव्य एवं ऐतिहासिक अगवानी हुई। सबसे पहले राघौगढ़ नगर में ससंघ विराजमान मुनि विशद सागर जी, शिवसागर जी, छुल्लक वैमराग्य सागर जी महाराज ने ज्येष्ठ श्रेष्ठ मुनि सुधा सागर जी महाराज की चरण वंदना कर एवं परिक्रमा लगाकर भव्य एवं ऐतिहासिक अगवानी की। मुनि विशद सागर जी ससंघ ने मुनि सुधा सागर जी का पाद प्रच्छालन कर गंधोदक मस्तक से लगाया।मुनि संघ का मिलन हुआ वह क्षण विस्मरणीय थे।हजारों श्रद्धालुओं के बीच गगन भेदी जयकारों के साथ अगवानी की गई। राघौगढ़ के विधायक जयवर्धन सिंह ने धीरपुर पहुंच कर मुनि सुधा सागर जी का पाद प्रच्छालन किया। श्रीफल भेंट किया एवं आशीर्वाद लिया।इस अवसर पर बमौरी विधायक ऋषि अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, न पा अध्यक्ष विजय कुमार साहू उपस्थित थे एवं आशीर्वाद लिया। विशाल जुलूस में बठिंडा पंजाब बैंड, गुना एवं राघौगढ़ के तीन बैंड, दिल दिल घोड़ी सागर, जैन जागृति महिला मंडल राघौगढ़, सुधा सिंधु महिला मंडल राघौगढ़, विद्योदय महिला मंडल राघौगढ़, जैन बालिका मंडल राघौगढ़, आचार्य विद्यासागर पाठशाला के नन्हे मुन्ने बच्चे आकर्षक गणेश में चल रहे थे। राघौगढ़ में जैन समाज के 100 परिवार हैं मुनि सुधा सागर जी महाराज का अभूतपूर्व में ऐतिहासिक स्वागत कर जैन समाज राघौगढ़ ने इतिहास रच दिया।

दुनिया के सभी धर्मों ने भगवान के अस्तित्व को माना है : मुनि सुधा सागर जी

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। संत सुधा सागर धाम राघौगढ़ पर पंचकल्याणक महोत्सव की पूर्व बेला में मंगल प्रवचन करते हुए निर्यापक श्रमण मुनि सुधा सागर जी महाराज ने कहा दुनिया के हर धर्म ने भगवान के अस्तित्व को माना है। आपने कहा दुनिया में ऐसा कोई भी धर्म नहीं है जिसे भगवान के अस्तित्व को नहीं माना हो। आपने कहा यह बात में गहन अध्ययन के बाद का रहा हूं। उपस्थित जनों को अपने आव्हान किया आप मुझे बताएं दुनिया में ऐसा कौन सा धर्म है जो भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता है। सुधा सागर जी ने कहा भारत में दो ऐसी संवैधानिक पद हैं जो इन पदों पर पहुंचकर किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं रहते हैं वह भारत के राष्ट्रपति एवं राज्यपाल आपने यह भी कहा कि राष्ट्रपति एवं राज्यपाल जब मतदान करने जाते हैं तो निश्चित ही किसी एक दल के पक्ष में मतदान करते हैं किसी एक दल से जुड़े नहीं रहना यह उनका भारी रूप है किसी एक दल के पक्ष में मतदान करना यह उनके अंतरंग अंतरंग रूप है। आज मुनि सुधा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया जी के निर्देशन में पंचकल्याणक महोत्सव के मुख्य पात्रों का चयन किया गया।

पनवेल के साधना सदन में युवाचार्यश्री का मंगलमय पदार्पण

पनवेल. शाबाश इंडिया। गुरुवार को श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा.,हितमित ऋषि, तपस्वी धवल ऋषि, और नव दीक्षित महक ऋषि जी आदि ठाणा ने भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मुणोथ इम्प्रेस आंबेडकर पुतले से विहार करते हुए पनवेल के साधना सदन में प्रवेश किया। साधना सदन में प्रवेश के समय पनवेल मेवाड़ उपसंघ के सभी पदाधिकारियों, मेवाड़ नवयुवक मंडल, महिला मंडल, कन्या मंडल, और वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ कपड़ा बाजार के सभी पदाधिकारियों ओर सदस्यों के साथ मेवाड़ उपसंघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र खैरोदिया,मंत्री राकेश संचेती,कोषाध्यक्ष विजय श्रीमाल, और साधना सदन ट्रस्ट के अध्यक्ष महेन्द्र जैन,मंत्री अशोक बाफना, कोषाध्यक्ष महावीर चंडालिया आदि सभी ने मिलकर जयघोष के साथ युवाचार्यश्री का भव्य अभिनन्दन करते हुए प्रवेश करवाया। सभी श्रद्धालु युवाचार्यश्री के पदापर्ण पर आनंद और भक्ति की ऊर्जा से ओतप्रोत हो गए। अध्यक्ष शैलेन्द्र खैरोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार से अगले चार दिनों तक प्रातः 9:00 बजे से 10:00 बजे तक साधना सदन में युवाचार्यश्री के प्रेरणादायी प्रवचन और भक्तामर स्तोत्र का जाप आयोजन रखा गया है। -**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर की धार्मिक मंत्री

श्रीमती अलका जी व श्री सुनील जी सेठी

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: शकुंतला विनायक

मंत्री: सुनीता गंगवाल

कोषाध्यक्ष: उर्मिला जैन

समस्त संगिनी फॉरएवर परिवार

पौधा रोपण कर मनाया जन्मदिन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। मानसरोवर साहिब सेवा समिति ऐलनाबाद की तरफ से मॉनसून पूर्व पौधारोपण अभियान की शुरूआत की गई। साहिब सेवा समिति के संचालक प्रोफेसर शाह राज साहिब व सेवादार ने मिलकर प्रण लिया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी पौधारोपण किया जाएगा परन्तु अब यह इस अभियान में और जब भी किसी का जन्मदिन होगा तब केक आदि न काटकर पौधारोपण करके जन्म दिन मनाया जाएगा। इसी मुहिम में आगाज करते हुए साहिब परिवार ने मानसरोवर में पौधा रोपण कर भरत साहिब का जन्मदिन मनाया व संकल्प लिया कि न केवल पोधों को लगाना अपितु उनकी देखभाल भी करना हमारा लक्ष्य रहेगा। ऐसा करके उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया पौधों ने अनेक प्रकार के छायादार, औषधिय, फलों के पौधे लगाए गए। व दिव्य कल्पवृक्ष लगाए जो हमें स्वच्छ हवा, पानी और फल प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय संत 'मुनि तरुण सागर' जी का 58 वां जन्म दिवस पेड़ पौधे लगाकर मनाया

सीकर. शाबाश इंडिया

कड़वे प्रवचनों के लिए मशहूर राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज का 58 वां जन्मदिन गुरुवार को सीकर में जयपुर रोड़ स्थित - खिचडो के बास पेड़ पौधे लगाकर मनाया । इस दौरान रेनू आयुषी दीवान, सीमा दीवान, अनिता, इंदु, आयुषी दीवान संतोष विनायक्या, आलोक काला,जुगल काला, करण सिंह शेखावत, प्रियंक गंगवाल,नवरत्न छाबड़ा, आदि उपस्थित थे। गुरुदेव का जयकारा लगा कर तरुण सागर जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया और आरती की । समाधिस्थ मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज के प्रवचनों में कड़वे वचन धर्मप्रेमी श्रावक-श्राविकाओं को आंदोलित करने वाले होते थे। उनकी वाणी आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक है। उनके प्रवचन की विशिष्ट शैली ने उन्हें पूरे विश्व में प्रसिद्धि दिलाई थी। उन्हीं की एक कविता 'आदमी की औकात' जीव को जीवन के यथार्थ से परिचित करवाती है। प्रियंक जैन ने बताया कि तरुण सागर जी महाराज द्वारा कहा गया है की नश्वरता का जिक्र करते हुए मुस्कुराते रहे। यहां रोते हुए नहीं, हंसते हुए आना चाहिए। मौत एक जीवन की समाप्ति और दूसरे जीवन की शुरूआत है। उन्होंने कहा है कि हमें अपनी मृत्यु को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। मौत जीवन की कड़वी सच्चाई है, इसे स्वीकारना ही होगा। उल्लेखनीय है कि सन 2017 में क्रांतिकारी संत तरुण सागर दिल्ली से विहार करते हुए चातुर्मास के लिए सीकर जा रहे थे। तब 26 जून 2017 को उदयपुरवाटी स्थित शमशान भूमि में अपना 50 वा जन्म दिवस मनाया था ।

विश्व मधुमेह जागृति दिवस

डॉ संध्या यादव, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं पूर्व सीनियर रेजिडेंट, , बी एच यू

27 जून को डायबिटीज के रोग के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'मधुमेह जागृति दिवस' मनाया जाता है। मधुमेह अनुवांशिक कारणों के आलावा अनियमित जीवन शैली, तनाव, शारीरिक व्यायाम का ना होना इस बीमारी का मुख्य कारण है। मधुमेह रोगियों की संख्या का तेजी से बढ़ना चिंता का विषय बन चुका है ।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वैश्विक रूप से 1980 में 108 मिलियन डायबिटीज के मरीज थे।2914 में इनकी संख्या 422 मिलियन हो गई। 1980 के मुकाबले 2014 में डायबिटीज पीड़ित महिलाओं की संख्या में 80 फीसद बढोतरी हुई है। (4.6 फीसद से 8.3 फीसद)।मधुमेह रोग का प्रभाव शरीर के सभी अंगों पर पड़ता है लेकिन यदि मधुमेह रोग महिला में हो और खासतौर पर गर्भावस्था के दौरान हो तो इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। गर्भकालिन मधुमेह उन महिलाओं को भी हो सकता है जिन्हे कभी मधुमेह की बीमारी ना रही हो। गर्भावस्था के दौरान दूसरी एवं तीसरी तिमाही में डाइबिटीज के होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में हर सात में से एक गर्भवती महिला को मधुमेह होने का खतरा रहता है। महिलाओं में गर्भकालिन मधुमेह होने का एक कारण महिला का वजन भी हो सकता है। इसलिए गर्भावस्था दौरान वजन पर नियंत्रण रखना महत्वपूर्ण है। गर्भावधि में आहार विहार को नियंत्रित कर मधुमेह के खतरे को कम किया जा सकता है।ऐसे काबोर्हाइड्रेट जिसमे साबुत अनाज और अपरिष्कृत अनाज एवं कम वसा वाले प्रोटीन का प्रयोग करें। अच्छे आहार के साथ चिकित्सक की सलाह से हल्के व्यायाम भी करने चाहिए। गर्भावधि मधुमेह स्वयं ठीक हो जाता है। यह जीवन भर चलने वाले टाइप १ एवं टाइप २ मधुमेह से भिन्न होता है।

जरुरी का करें अर्जन और शेष का विसर्जन: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ बागसेवनिया भोपाल में विराजमान है। माताजी ससंघ सान्निध्य में भोपाल में धर्म प्रभावना विशेष रूप से चल रही है। माताजी के सान्निध्य में 26 जून को यहां श्री जिनसहस्रनाम महार्चना विधान का आयोजन होगा। माताजी ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि अर्जन और विसर्जन मानव जीवन में दोनों की बराबर उपयोगिता है। बिना विसर्जन किये अर्जन करना प्राण घातक भी हो सकता है। इसलिए जरूरी का अर्जन करें, शेष का विसर्जन करें। आज के युग में मनुष्य आवश्यक चीजों का विसर्जन और अनावश्यक का संग्रह करके जीवन को घोर अंधकार के गर्त में डाल रहा है फिर चाहे वह भावों की बात हो या फिर बाहरी चीजों की । धन कमाना बुरा नहीं है यह तो मानव का पुरुषार्थ है जिसे हम अर्थ पुरुषार्थ के नाम से जानते हैं। बस ध्यान रखने योग्य बात यह है कि जिस ढंग से उसे अर्जित किया जा रहा है वह अनुचित तो नहीं है। उचित ढंग से कमाया गया धन अपने साथ शांति और संतोष की लहरें लाता है और ढंग कई अनुचित होता है तो वही धन अपने साथ अशांति और लालसा का कचरा भी लाता है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर ने पर्यावरण संरक्षण हेतु किया पौधारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर ने मुरलीपुरा स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पार्क में दिनांक 26 जून, गुरुवार को प्रातः 8:30 बजे सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रव्यापी आव्हान पर जयपुर रीजन के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें वीर ग्रुप के सदस्यों ने फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। ग्रुप अध्यक्ष नीरज-रेखा जैन एवं सचिव पंकज-कशिश जैन ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से 5 जुलाई तक दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा ''पर्यावरण सेवा माह'' मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप्स की देशभर की शाखाओं द्वारा 1,00,000 पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी कड़ी में वीर ग्रुप द्वारा जामुन, आम, नीम, अशोक, गुलमोहर आदि छायादार एवं फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। प्रकृति की सेवा, मानवता की सच्ची सेवा है। पौधरोपण कर हम न केवल पर्यावरण को संवारते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित भविष्य भी सौंपते हैं। इस अवसर पर ग्रुप के कोषाध्यक्ष आशीष-रिद्धि जैन, सदस्यगण अंकित-कोमल जैन, मनोज-संगीता पहाड़िया, धर्मचंद-मंजू जैन, सुधीर जैन, अमित-टीना जैन, सुभाष-नीतू जैन आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

फोटो : साकेत जैन कुमकुम स्टूडियो

भव्य मिलन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ एवं प. पू. आर्यिका श्री प्रशांतनंदिनी माताजी ससंघ का ''भव्य मिलन समारोह'' पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट में हुआ। चातुर्मास के संयोजक पवन जैन ने बताया की गायत्री नगर से बैंड बाजों के साथ में आदित्य सागर जी महाराज का प्रवेश थड़ी मार्केट में हुआ जहां पर दोनों संघ का मिलन बड़ी ही धूमधाम और भव्यता के साथ में हुआ जहां सैकड़ो की संख्या में बच्चे, महिलाएं एवं पुरुष सभी ध्वजाएं लेकर उपस्थित थे। उसके पश्चात आदित्य सागर जी महाराज ने प्रवचन के माध्यम से बताया कि हम सभी श्रावकों को चातुर्मास बड़े ही भक्ति भाव से कराना चाहिए और जयपुर राजाओं की नगरी है और यहां महाराजो के हर मंदिर में भी चातुर्मास हो तो भी कम है। कार्यक्रम में पंकज लुहाडिया, राकेश जैन, सिद्धू जैन, मनीष जैन, महीप जैन, नरेन जैन आदि मौजूद रहे। महाराज का पाद पक्षालन ज्ञान जैन कलेक्ट्री वालों ने किया।

पांच दिवसीय अर्हं स्वाध्याय शिविर का समापनः तत्वज्ञान की बही गंगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन मंदिर, महल योजना में अर्हं योग प्रणेता 108 श्री प्रणम्य सागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से आयोजित अर्हं स्वाध्याय शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। शिविर में जैन धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथ तत्वार्थ सूत्र के प्रथम अध्याय का गहन अध्यापन कराया गया, जिसने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। शिविर का संचालन अर्हं अन्तरप्णा निर्मला सांघी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी सरल एवं प्रभावशाली शैली से प्रतिभागियों को तत्वार्थ सूत्र के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराया। पांच दिनों तक चले इस शिविर में जिज्ञासुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया तथा अंतिम दिन, उपस्थित प्रतिभागियों की ज्ञान-गरिमा का आकलन करने के लिए एक परीक्षा का आयोजन किया गया। परिणामों की घोषणा के साथ ही विजेताओं को सम्मानित किया गया: जिसमें प्रथम स्थानः सपना एवं तोषी जैन (संयुक्त रूप से) द्वितीय स्थानः डॉ. प्रीति एवं तृतीय स्थान पिंकल श्रीमाल ने प्राप्त किया। काषवी ने मंगलाचरण करते हुए कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। विजेताओं को बधाई देते हुए भागचंद कनक, मैना, धीरेंद्र, नमन, ज्योति, मुकेश अभिषेक समेत मंदिर समिति पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

जैन सोशयल ग्रुप ग्लोरी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशयल ग्रुप ग्लोरी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह रणथंबोर के रीजेंटा रिजॉर्ट में आयोजित किया गया । इस अवसर पर पियूष सोनी ने अध्यक्ष, हेमंत बड़जात्या ने सचिव, नयन जैन उपाध्यक्ष, श्वेता अजमेरा ने संयुक्त सचिव तथा रूबी जैन ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ली। इस अवसर पर यह उल्लेखनीय है की जैन सोशयल ग्रुप ग्लोरी द्वारा अपनी शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किसी न किसी रिसोर्ट में किया जाता रहा है तथा इस अवसर पर दंपति सदस्यों के लिए एक शानदार नाइट स्टे का आयोजन किया जाता है। गत शपथ ग्रहण समारोह पुष्कर में था इस वर्ष यह रणथंबोर में हुआ। इस अवसर पर ग्रुप के सभी 145 दंपति सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सदस्यों द्वारा एक भव्य पूल पार्टी , बहुत उम्दा लंच उसके पश्चात मछली मूवी का प्रदर्शन एवं वाइल्डलाइफ पर एक टॉक शो जिसमें सुबैया नल्ला मद्दू तथा दिलीप सिंह शेखावत तथा धीरेन्द्र गोधा ने संबोधित किया।

इस अवसर पर बच्चों तथा बड़ों द्वारा अपनी जंगल तथा टाइगर के प्रति अपनी सभी जिज्ञासा का उत्तर प्राप्त किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश जैन द्वारा सभी को शपथ ग्रहण कराई गई। इस अवसर पर ग्रुप की कोषाध्यक्ष रूबी सौरभ जैन तथा ग्रुप के एडवाइजर अजय तोड़िया द्वारा ग्रुप के सभी सामान्यनीय सदस्यों के आवास तथा अन्य मनोरंजक गतिविधियों को बहुत ही उम्दा तरीके से आयोजित किया गया। ग्रुप के सौरभ जैन ने सभी सदस्यों के लिए रात्रि मैं आयोजित भव्य गाला डिनर तथा सांस्कृतिक संध्या का बहुत ही उम्दा तरीके से आयोजित किया। इसके अतिरिक्त ग्रुप के सदस्यो ने अगले दिन 22जून को टाइगर सफारी का आनंद लिया गया और रणथंभोर के जंगलों मैं टाइगर तथा अन्य वन जीवों को देखने का एक अविस्मरणीय अनुभव लिया। यह एक ऐसा शपथ ग्रहण समारोह था जिसमें सभी दंपति सदस्य गणोंने कार्यक्रम बहुत ही लुत्फ उठाया। जैसा कि सभी को विदित है कि ग्लोरी ग्रुप अपने स्थापना के एक वर्ष के अंतर्गत ही अपना एक नया आयाम अर्जित कर चुका है। कार्यक्रम के अंत मैं ग्रुप के अध्यक्ष पीयूष सोनी द्वारा ग्रुप के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा ग्रुप सदस्यों को दी गई तथा ग्रुप सचिव हेमंत बड़जात्या ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

जेएसजी सनशाइन ब्यावर का भव्य रेट्रो थीम पार्टी का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जेएसजी सनशाइन ब्यावर ने होटल पलाशिया में एक रंगारंग और उल्लासपूर्ण रेट्रो थीम पार्टी का भव्य आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य संगठन के सदस्यों के बीच सौहार्द, सहयोग और एकता को और अधिक मजबूत बनाना था। पार्टी में सभी सदस्य रेट्रो अंदाज में सजी-धजी नजर आईं और पूरे जोश-उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। रेट्रो संगीत, नृत्य, मनोरंजक खेल और कई रचनात्मक गतिविधियों ने पूरे माहौल को जीवंत और अविस्मरणीय बना दिया। एक आकर्षक फोटो बूथ भी लगाया गया, जहाँ सदस्यों ने अपने खूबसूरत पलों को कैमरे में कैद किया।

इस मौके पर विशेष योगदान देने वाली सदस्यों को सम्मानित भी किया गया:

मदर्स डे पर शिल्पा बोहरा और नेहा कवाड़ को सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रंजना बाबेल को पुरस्कार प्रदान किया गया। रेट्रो अंदाज में सबसे बेहतरीन प्रस्तुतियों के लिए विनिता बुरड़ को 'रेट्रो क्वीन' घोषित किया गया, वहीं श्वेता कोठारी को भी इसी खिताब से नवाजा गया। पार्टी में रेट्रो थीम पर आधारित स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए, जिन्हें सभी ने भरपूर सराहा। कार्यक्रम की शुरूआत संगठन की सचिव ईशा कोठारी द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया और संगठन की एकजुटता की सराहना की। वहीं कोषाध्यक्ष नमिता नाहटा ने पूरे आयोजन को कुशलता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया। इस मौके पर ममता श्रीश्रीमाल, प्रियंका चलाती, निकिता नाहटा, निधि नाहटा, प्रीति डेड़ियां, सीमा सांखला, आकांक्षा बुरड़, रंजना बाबेल, ममता कांकरिया, रश्मी बाबेल, खुशी बाबेल, तारा खींचा सहित अन्य अनेक सदस्य उपस्थित रहीं। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का अद्भुत अनुभव रहा, बल्कि संगठन के आपसी स्नेह और समर्पण को भी और अधिक प्रगाढ़ किया।

सलेहा नगर में गुरु माँ विंध्य श्री माता जी संसंघ का भव्य मंगल आगमन

पूरे नगर ने गुरु मां की अगवानी में बिखेरे भक्ति और श्रद्धा के रंग

सलेहा. शाबाश इंडिया

सलेहा नगर के लिए यह वर्ष विशेष गौरव और पुण्य का अवसर लेकर आया है। परम पूज्य समाधि सम्राट गणचार्य 108 विराग सागर जी महाराज एवं परम पूज्य चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य 108 विशुद्ध सागर जी मुनिराज के मंगल आशीर्वाद से इस वर्ष संस्कार दर्शिका, नगर गौरव गणनी आर्यिका 105 विंध्य श्री माता जी संसंघ का चातुर्मास सलेहा नगर जिला पन्ना को को प्राप्त हुआ है। इस पावन निमित्त से गुरु माँ विंध्य श्री माता जी संसंघ की भव्य मंगल आगवानी बड़े श्रद्धा एवं उल्लास के साथ की गई । सलेहा नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया, मुख्य मार्गों को आकर्षक रंगोली और तोरण द्वारों से सुसज्जित किया गया। ढोल-नगाड़ों और मंगल वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि के साथ नगरवासियों ने गुरु माँ की अगवानी की। श्रद्धालु भक्तों ने घर-घर रंगोली सजाई और द्वार पर पाद प्रक्षालन कर धर्म लाभ अर्जित किया। गुरु माँ के नगर प्रवेश के उपरांत मंदिर में दर्शन और पूजन का आयोजन हुआ। पुण्यशाली भक्तों को बोली के माध्यम से गुरु माँ के पाद प्रक्षालन और शास्त्र भेंट का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तत्पश्चात पूज्य गुरुवर आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के भक्ति रस में डूबे हुए भजन एवं पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन कवि हृदय पंडित विकर्ष शास्त्री द्वारा किया गया। समाज के विभिन्न मंडलों एवं श्रावक समाज द्वारा सलेहा चातुर्मास हेतु सामूहिक निवेदन करते हुए श्रीफल अर्पित किया गया। प्रवचन के दौरान पूज्य गुरु माँ ने सलेहा को चातुर्मास स्थल के रूप में प्राप्त होना गुरु-आज्ञा एवं आशीर्वाद का प्रतीक बताया। उन्होंने नगरवासियों को एकता, सहयोग और समर्पण के साथ चातुर्मास को सफल बनाने का आशीर्वाद प्रदान किया। यह अवसर न केवल धार्मिक उल्लास का प्रतीक है, बल्कि नगरवासियों के लिए आत्म-संस्कार और धर्म-आराधना की दिशा में एक महान प्रेरणा भी है। इस अवसर पर दीमापुर, देवेंद्र नगर,छतरपुर तिवरी, अमरपाटन आदि से पधारे भक्तों ने भी गुरु मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

बारिश का मौसम और जामुन का जिक्र—एक अद्भुत संगम

हर साल जून-जुलाई आते ही बाजारों में गहरे बैंगनी रंग का एक छोटा लेकिन बेहद खास फल दिखाई देता है – जामुन। जिसे खाने के बाद जीभ भले ही नीली हो जाती हो, पर सेहत एकदम हरी-भरी हो जाती है। भारत जैसे देश में जहां लोग अपने खान-पान से ही कई बीमारियों को ठीक करने की परंपरा रखते हैं, वहां जामुन सिर्फ़ एक फल नहीं, एक प्राकृतिक औषधि है।

1. जामुन का पोषण प्रोफाइल – छोटे फल में बड़ा दम

100 ग्राम जामुन में पाए जाते हैं:

कैलोरीः लगभग 60

फाइबरः 0.9 ग्राम

प्रोटीनः 0.7 ग्राम

कैल्शियमः 15 मिलीग्राम

आयरनः 1.4 मिलीग्राम

विटामिन C और A प्रचुर मात्रा में

एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे anthocyanins

मतलब जामुन न सिर्फ़ स्वादिष्ट है, बल्कि आपकी daily nutrition की खुराक भी है।

2. डायबिटीज़ का दुश्मन – ब्लड शुगर करे कंट्रोल

जामुन का सबसे प्रसिद्ध फायदा है – मधुमेह (Diabetes) को कंट्रोल करना। इसमें पाया जाता है जैम्बोलिन (Jamboline) और जैम्बोसीन (Jambosine) नाम का तत्व, जो शरीर में शुगर को तेजी से अवशोषित होने से रोकता है। जामुन के बीज का चूर्ण भी आयुर्वेद में शुगर कंट्रोल करने के लिए उपयोग किया जाता है। डायबिटिक पेशेंट्स के लिए जामुन एक नेचुरल सपोर्टिव मेडिसिन है।

3. इम्यूनिटी बढ़ाए, बीमारियाँ भगाए

बारिश के मौसम में संक्रमण, सर्दी-जुकाम और वायरल तेजी से फैलते हैं। जामुन में मौजूद विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। यह शरीर के अंदरूनी हिस्सों को डिटॉक्स करता है। जिन्हें बार-बार बीमारियाँ होती हैं, उनके लिए जामुन रामबाण है।

4. मस्तिष्क के लिए बूस्टर – याददाश्त और फोकस बढ़ाए

जामुन में पाए जाने वाले पॉलीफेनॉल्स (Polyphenols) और फ्लैवोनॉयड्स (Flavonoids) दिमाग को तेज़ बनाते हैं। ये मेमोरी, कंसंट्रेशन और न्यूरोलॉजिकल हेल्थ को सुधारते हैं। बुजुर्गों में ये अल्जाइमर जैसी समस्याओं को कम करने में मदद कर सकता है।

5. त्वचा को चमकदार और झुर्रियों से मुक्त बनाए

जामुन के नियमित सेवन से आपकी त्वचा अंदर से ग्लो करने लगती है। एंटीऑक्सीडेंट्स एजिंग स्लो करते हैं। मुंहासों, दाग-धब्बों और ऑयली स्किन में भी फायदा करता है। जामुन खाइए और बिना मेकअप के भी निखार पाइए।

6. पाचन तंत्र का रक्षक – गैस, एसिडिटी और कब्ज में राहतः फाइबर से भरपूर जामुन पेट को साफ रखता है। ये एसिडिटी को कम करता है और पेट में ठंडक पहुंचाता है। जामुन का सिरका भी आयुर्वेद में पेट की समस्याओं के लिए प्रयोग किया जाता है।

7. दिल की रक्षा करता हैः ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल में मददगार। जामुन में मौजूद पोटैशियम और फ्लैवोनॉयड्स ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल को बैलेंस कर हार्ट अटैक की संभावना को कम करता है।

दिल का दोस्त है जामुन!

8. जामुन का रस (Jamun Juice) – सेहत की एक और ताकत

अगर जामुन सीजन में नहीं भी मिल रहा, तो इसका जूस आपके लिए बेहतरीन विकल्प हैः रोज़ सुबह खाली पेट 1 गिलास जामुन का जूस शरीर को डिटॉक्स करता है। डायबिटिक लोग इसे बीज के पाउडर के साथ पी सकते हैं।

9. आयुर्वेद में जामुन – हजारों साल पुराना चमत्कारी उपाय

आयुर्वेद में जामुन को त्रिदोषनाशक कहा गया है – यानी ये वात, पित्त और कफ तीनों को संतुलित करता है। जामुन की छाल, पत्तियाँ और बीज भी औषधीय रूप में उपयोग होते हैं। पुराने ज़माने में जामुन की छाल से दस्त और पेचिश का इलाज किया जाता था।

कुछ सावधानियाँ भी ज़रूरी हैं

खाली पेट अधिक मात्रा में न खाएं – गैस बन सकती है। थायराइड, लो ब्लड शुगर वाले डॉक्टर की सलाह लें। बीज चबाने से बचें – केवल सूखे बीज का चूर्ण ही उपयोग करें।

कैसे खरीदें सही और ताज़ा जामुन?

गहरे बैंगनी रंग के, बिना धब्बे वाले जामुन चुनें। धोकर खाएं – खासतौर पर खुले बाजार के जामुन। सीज़न में इसे रोज़ खाने की आदत बनाएं – 1 कटोरी काफी है।

निष्कर्षः एक कटोरी जामुन = सेहत का खजाना

जामुन कोई आम फल नहीं है। यह एक ऐसा प्राकृतिक टॉनिक है जो शरीर को अंदर से स्वस्थ, मस्तिष्क को तेज और त्वचा को निखरा बनाता है। बारिश में जब मौसम नमी से भरा होता है और बीमारियाँ आम होती हैं, तब जामुन एक सस्ता, सुलभ और स्वादिष्ट इलाज है।

डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद विशेषज्ञ
शासन सचिवालय जयपुर ।

आचार्य सुन्दर सागर मुनिराज ससंघ से जयपुर वासियों ने लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में वर्ष 2025 का चातुर्मास करने के लिए कोटा से जयपुर की ओर मंगल विहार कर रहे आचार्य सुन्दर सागर मुनिराज ससंघ से टोंक रोड पर कल्याण शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय निवाई में जयपुर से आये श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, मुनि भक्त एवं युवा समाजसेवी मनोज सोगानी पहाड़ी वाले, जगतपुरा दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष कमल वैद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। आचार्य श्री ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि धर्म की प्रभावना में सदैव अग्रणी भूमिका निभाते हुए जैन संस्कृति की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहे। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्यश्री ससंघ का शनिवार 28 जून को निवाई कस्बे के अग्रवाल मंदिर में गाजे बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश होगा। आचार्य श्री ससंघ का सोमवार 30 जून को निवाई से जयपुर के लिए मंगल विहार होगा। आचार्य श्री ससंघ का रविवार 6 जुलाई को जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। जैन के मुताबिक आचार्य श्री ससंघ में 7 मुनिराज,8 आर्यिका माताजी 9 क्षुल्लक -क्षुल्लिकाओं सहित 24 पिच्छिका हैं।

28 जून'25

प्रमुख समाज सेवी, मुनिभक्त, हंसमुख स्वभाव के धनी दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा के अध्यक्ष, जेएसजी सिद्धा के संस्थापक अध्यक्ष

श्री धीरज कुमार पाटनी

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

समस्त मित्रगण एवं परिवारजन

म्यूजिक एलबम- तेरी दीद हो गई यारा का विमोचन

श्री राजेन्द्र कुमार जैन ''राजा'' द्वारा लिखित गीत और गजलों का म्यूजिक एलबम ''तेरी दीद हो गई यारा'' का विमोचन सोमवार, दिनांक 30 जून 2025 को एडिटर एन चीफ, (क्रिडेन्ट टीवी) श्री सुनिल जी नारनौलिया व वीना जी मोदानी (सुप्रसिद्ध गायिका एवं कोरियोग्राफर) के कर कमलो द्वारा महावीर भवन, किरण पथ, मानसरोवर, जयपुर में किया जायेगा। इस अवसर पर गायिका - म्यूजिक डायरेक्टर डॉ० कान्ता धवन व गायक - म्यूजिक डायरेक्टर पं. रवि शंकर भट्ट के साथ इस म्यूजिक एलबम को अपनी सुरीली आवाज से संजोने वाले गायक राजेन्द्र जडेजा, पुनीत अग्रवाल, विशाल कंसोटिया और गायिका समता जैन व वीनू मित्तल भी उपस्थित रहेगे। इस म्यूजिक एलबम में राजेन्द्र कुमार जैन ''राजा'' द्वारा लिखित 7 दिलकश गजलों को गायक गायिकाओ ने अपने सुरीले सुरों से सजाया है। इससे पूर्व भी आप द्वारा लिखित गीत और गजलों का म्यूजिकल एलबम ''मेरी तहरीर'' रिलिज हो चुका है जिसे लोगो द्वारा बेहद पसन्द किया गया है। आप अच्छे लेखक के साथ साथ अच्छे मंच संचालक भी हैं।

राज्यपाल ने गोगामेडी मंदिर में दर्शन किए, पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोगाजी महाराज के प्रसिद्ध गोगामेड़ी मंदिर में पहुंचकर उनके दर्शन किए। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी इस दौरान गोगाजी के दर्शन किए। राज्यपाल ने गोगाजी की पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की।

भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

हनुमान नगर विस्तार, खातीपुरा क्षेत्र में भगवान जगन्नाथ जी, बलभद्र जी और सुभद्रा जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन बड़ी श्रद्धा और धूमधाम से किया गया। आयोजन की शुरूआत जे. सी. मोहंती (रिटायर्ड मुख्य सचिव, उड़िया परिवार) के निर्देशन में पंडित नरेंद्र शर्मा द्वारा विधिवत पूजा और आरती से हुई। पूजन उपरांत भगवान जगन्नाथ जी, बलभद्र जी और सुभद्रा जी का रथ हाथी, घोड़े, ऊंट और आकर्षक सजावट से सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर पूरे क्षेत्र में निकाला गया। रथ को खींचने में खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़, रिटायर्ड आईपीएस सुरेंद्र कुमार, रिटायर्ड कमिश्नर रामकुमार चौधरी, डॉ. श्रीराम तिवारी, चीफ आर्किटेक्ट शिवकुमार कुमावत, सीए जोगिंदर सिंह, आरटीओ अखिलेश चारण, कैप्टन रामफल गुर्जर, ठाकुर बिशन सिंह चनाना, मनोज जांगिड़, डॉ. राघवेंद्र सिंह, महिला मंडल की सरोज कंवर, इंदु कंवर, किरण शर्मा, शशि शर्मा, मीनू कंवर सहित अनेक श्रद्धालु महिला-पुरुष और सैकड़ों भक्त सम्मिलित हुए। रथ यात्रा में भजन-कीर्तन, मजीरे, खरताल, डीजे की धुन, पटाखों की गूंज और जयकारों के साथ भक्त नाचते-गाते चले। पुष्पवर्षा और जगह-जगह भगवान की पूजा-अर्चना से वातावरण भक्तिमय हो गया। पूरे मार्ग पर जल, प्रसाद, ठंडाई आदि की उत्तम व्यवस्था की गई। जिला प्रशासन की ओर से पुलिस बल एवं ट्रैफिक व्यवस्था भी की गई। अंत में खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़, रिटायर्ड शिव सेक्रेटरी जे. सी. मोहंती व आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर आभार व्यक्त किया। भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन एवं आशीर्वाद के लिए भारी संख्या में भक्त पहुंचे।